

प्रेषक,

विनीता कुमार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्राचार्य,  
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान,  
श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 01 दिसम्बर, 2011

विषय:- वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल में वित्तीय स्वीकृति निर्गत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:- मे0का0/बजट/2011-12/4131 दिनांक 12.11.2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, श्रीनगर से सम्बद्ध चिकित्सालयों में होने वाले विभिन्न व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए अनुदान संख्या-12 में प्राविधानित बजट से निम्नांकित विवरणानुसार आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 88,00,000/- (₹0 अट्ठासी लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदया निम्नांकित शर्तों के अनुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि ₹0 हजार में)

लेखाधीन		आयोजनेत्तर		
क	ख	ग	घ	ङ.
2210	अनुदान संख्या-12, चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	प्राविधानित धनराशि	पूर्व में आवंटित धनराशि	वर्तमान में आवंटित की जाने वाली धनराशि
05	चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान			
105	पाश्चात्य शिक्षा पद्धति			
04	मेडिकल कॉलेज			
0402	हे0न0ब0 बेस एलोपैथिक चिकित्सालय (टीचिंग हॉस्पिटल)			
19	विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	500	0	200
31	सामग्री और सम्पत्ति	2000	1000	500
39	औषधि तथा रसायन	20000	5000	5000
41	भोजन व्यय	10000	2500	2500
42	अन्य व्यय	2000	600	600
	योग	34500	9100	8800

2- उक्त व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में समस्त प्रचलित वित्तीय नियमों का पालन किया जायेगा एवं भुगतान करने हेतु अन्य शर्त पूर्व में निर्गत शासनादेश संख्या-435/XXVIII(1)/2011-18/2011 दिनांक 06.05.2011 के अनुसार रहेगी।

3- स्वीकृत धनराशि के आहरण/व्यय से पूर्व सक्षम प्राधिकारी द्वारा समस्त क्रय/अधिप्राप्ति प्रक्रिया उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के विहित प्राविधानों के अनुसार की जायेगी तथा इस हेतु तत्सम्बन्धी प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा साथ ही व्यय करने से पूर्व जिन प्रस्तावों पर शासन/सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनका वित्त नियंत्रक के माध्यम से स्वीकृति के पश्चात् ही आहरण/व्यय किया जायेगा।

4- भुगतान करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि मितव्ययिता सम्बन्धी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है।

5- उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय ऊपर उल्लिखित लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-52(NP)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 05 दिसम्बर, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)  
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी उत्तराखण्ड।
- 3- निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 5- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 6- जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।
- 7- वित्त नियंत्रक, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल।
- 8- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 9- वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-03/ नियोजन विभाग/एन0आई0सी।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(मायावती ढकरियाल)  
उप सचिव।